Thursday 27

अजातशत्रु बिम्बिसार का पुत्र था उसने अपने पिता को वध कर 491 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा था शासन चलाने का अनुभवी था क्योंकि उसके पूर्व वह अंग का शासक था सिंहासन पर बैठने के पश्चात अनेक भीषण आपदाओं का सामना किया लेकिन अपनी बुद्धिमानी, अनुभव और जारी सैन्यबल द्वारा सभी कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर मगध साम्राज्य की सीमा, गौरव तथा शक्ति में अभूतपूर्व वृद्धि की तथा मगध साम्राज्य उसके प्रयत्नों द्वारा एक विशाल एवं शक्तिशाली साम्राज्य के रूप में स्थिर हुआ।

अजातशत्रु बिम्बिसार से भी अधिक महत्वाकांक्षी

Friday 28

एवं साम्राज्यवादी था जिस कारण कोशल का राजा अप्रसन्न था और काशी वापस ले लिया था फलतः दोनों राज्यों में युद्ध प्रारम्भ हुआ अन्त में प्रसेनजित ने अपनी कन्या का विवाह अजातशत्रु से कर के सन्धि कर ली और काशी का राज्य वापस कर दिया। इसके बाद वज्जिसंघ पर आक्रमण किया यह युद्ध दस वर्षों तक चला अन्त में अजातशत्रु की विजय हुई उसके बाद मल्लसंघ को भी पराजित किया इन महान विजयों से उत्साहित होकर अजातशत्रु ने हिमालय

29 Saturday

की तलहटी में स्थित छोटे-छोटे राज्यों
को भी अपने राज्य में मिला लिया इसप्रकार
उसके साम्राज्य की उत्तरी सीमा हिमालय से
जा लगी अंग, काशी, कोशल, वैशाली
और छोटे-छोटे राज्यों को अपने साम्राज्य में
मिलाकर मगध का साम्राज्य उत्तरी भारत का
सर्वाधिक शक्तिशाली एवं समृद्ध साम्राज्य बन गया।
अन्त में जिस प्रकार वह अपने पिता को मार
किया था उसी तरह उदायिन के षड्यंत्र के
फलस्वरूप उसकी जीवन लीला समाप्त हो

30 Sunday गई।